



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 29 नवम्बर, 2010 / 8 अग्रहायण, 1932

हिमाचल प्रदेश सरकार

आयुर्वेद विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 27 नवम्बर, 2010

**संख्या: आयु0-ए-(3)-2/2010.**—हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, हिमाचल प्रदेश आयुर्वेद विभाग में प्रधानाचार्य, वर्ग-I (राजपत्रित) के पद के लिए इस अधिसूचना से संलग्न उपाबन्ध—“क” के अनुसार, भर्ती और प्रोन्नति नियम, बनाती हैं, अर्थात्:—

**1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.**—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश आयुर्वेद विभाग, प्रधानाचार्य, वर्ग-I (राजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2010 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

**2. निरसन और व्यावृत्तियाँ.—**(1) इस विभाग की अधिसूचना संख्या स्वास्थ्य-ख (3)-3/79-पार्ट तारीख 24-05-1980 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश डिपार्टमेंट ऑफ आयुर्वेद, प्रिंसिपल-क्लास-I-गैजटिड-रेक्यूटमेंट एण्ड प्रमोशन रूलज का एतद्द्वारा उस विस्तार तक निरसन किया जाता है जहां तक कि ये प्रिंसिपल के पद को लागू है।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी उपर्युक्त उप नियम 2(1) के अधीन इस प्रकार निरसित नियमों के अधीन की गई कोई नियुक्ति, बात या कार्रवाई इन नियमों के अधीन विधिमान्य रूप में की गई समझी जाएगी।

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित/—  
प्रधान सचिव (आयुर्वेद)।

उपाबन्ध—“क”

**हिमाचल प्रदेश आयुर्वेद विभाग में प्रधानाचार्य वर्ग-I (राजपत्रित) के पद के लिए भर्ती और प्रोन्नति नियम**

1. पद का नाम.—प्रधानाचार्य
2. पदों की संख्या.—1 (एक)
3. वर्गीकरण.—वर्ग I (राजपत्रित)
4. वेतनमान.—(i) नियमित पदधारियों के लिए वेतनमान : 15,600—39,100 रुपए जमा 7,800 रुपए (ग्रेड पे)  
(ii) संविदा पर नियुक्त कर्मचारियों के लिए उपलब्धियां : रुपये : 23,400 /—  
स्तम्भ संख्या 15—क में दिए गए ब्यौरे के अनुसार
5. चयन पद अथवा अचयन पद.—चयन
6. सीधी भर्ती के लिए आयु.—45 वर्ष और इससे कम

परन्तु सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए ऊपरी आयु सीमा तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्त किए गए व्यक्तियों सहित, पहले से ही सरकार की सेवा में रत अभ्यर्थियों को लागू नहीं होगी :

परन्तु यह और कि यदि तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्त किया गया अभ्यर्थी इस रूप में नियुक्ति की तारीख को अधिक आयु का हो गया हो तो, वह तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्ति के कारण विहित आयु में छूट के लिए पात्र नहीं होगा :

परन्तु यह और कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपरी आयु सीमा में उतनी ही छूट दी जा सकेगी जितनी हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष आदेश के अधीन अनुज्ञेय है :

परन्तु यह और भी कि पब्लिक सेक्टर, निगमों तथा स्वायत्त निकायों के सभी कर्मचारियों को, जो ऐसे पब्लिक सेक्टर, निगमों तथा स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पब्लिक सेक्टर, निगमों में तथा स्वायत्त निकायों में आमेलन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में आयु सीमा में ऐसी ही रियायत दी जाएगी, जैसी सरकारी कर्मचारियों को अनुज्ञेय है, किन्तु इस प्रकार की रियायत पब्लिक सेक्टर, निगमों तथा स्वायत्त निकायों के ऐसे कर्मचारिवृन्द को नहीं दी जाएगी, जो पश्चातवर्ती ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों द्वारा नियुक्त किए गए थे/किए गए हैं और उन पब्लिक सेक्टर, निगमों/स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के पश्चात् निगमों/स्वायत्त निकायों की सेवा में अन्तिम रूप से आमेलित किए गए हैं/किए गए थे।

(1) सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा की गणना उस वर्ष के प्रथम दिवस से की जाएगी, जिसमें पद (पदों) को आवेदन आमन्त्रित करने के लिए, यथास्थिति, विज्ञापित किया गया है या नियोजनालयों को अधिसूचित किया गया है।

(2) अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा और अनुभव हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल किया जा सकेगा।

**7. सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित न्यूनतम शैक्षिक और अन्य अर्हताएं.—(I) अनिवार्य अर्हताएं :—(i)** किसी मान्यताप्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय या विधि द्वारा स्थापित भारतीय चिकित्सा पद्धति परिषद् से या सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त आयुर्वेदिक महाविद्यालय से आयुर्वेद में स्नातक की उपाधि।

(ii) आयुर्वेदिक संस्थान से आयुर्वेद के किसी विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि।

(iii) दसवीं स्तर की संस्कृत का ज्ञान या इसके समतुल्य।

(iv) आचार्य/उपाचार्य/वरिष्ठ प्रवक्ता के रूप में संयुक्त दस वर्ष का अध्यापन अनुभव।

**(II) वांछनीय अर्हता :** हिमाचल प्रदेश की रुढ़ियों, रीतियों और बोलियों का ज्ञान और प्रदेश में विद्यमान विशिष्ट दशाओं में नियुक्ति के लिए उपयुक्तता।

**8. सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं.—आयु :** लागू नहीं।

**शैक्षिक अर्हता :** हां, जैसी स्तम्भ संख्या 11 के सामने विहित है।

**9. परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो.—**दो वर्ष, जिसका एक वर्ष से अनधिक ऐसी और अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा, जैसा सक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों में और लिखित कारणों से आदेश दे।

**10. भर्ती की पद्धति: भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति, स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिशतता.—**शत प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा नियमित आधार पर या संविदा के आधार पर भर्ती द्वारा भर्ती द्वारा। संविदा पर नियुक्त कर्मचारी स्तम्भ संख्या 15—क में दी गई उपलब्धियां प्राप्त करेंगे और तथाकथित स्तम्भ में यथा विनिर्दिष्ट सेवा शर्तों द्वारा विनियमित होंगे।

**11. प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति, स्थानान्तरण की दशा में श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा.—**आचार्यों में से प्रोन्नति द्वारा, जो स्तम्भ संख्या 7 (iv) के सामने यथाविहित शैक्षिक अर्हताएं रखते हों और जिनका तीन वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, को सम्मिलित करके तीन वर्ष का नियमित सेवाकाल हो, ऐसा न होने पर आचार्यों में से प्रोन्नति द्वारा, जिनका आचार्य/उपाचार्य (रीडर)/वरिष्ठ प्रवक्ता का संयुक्त दस वर्ष का नियमित सेवाकाल या की गई तदर्थ सेवा सहित दस वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, जिसमें आचार्य के रूप में दो वर्ष का सेवाकाल अनिवार्य होना चाहिए।

प्रोन्नति के प्रयोजन के लिए पदधारियों की, उनकी सेवाकाल के आधार पर उनकी पारस्परिक वरिष्ठता को छोड़े बिना एक संयुक्त वरिष्ठता सूची तैयार की जाएगी।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरक (पोषक) पद में की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए इस शर्त के

अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरक (पोषक) प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती और प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी :

परन्तु उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरक (पोषक) पद में अपने कुल सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित, जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो । के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने के पात्र हो जाता है, वहां अपने अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे :

परन्तु यह और कि उप सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अहर्ता सेवा या पद के भर्ती और प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा, जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह आरे भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा/समझे जाएंगे।

**स्पष्टीकरण.**—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा, यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबीलाईज्ड आर्मड फोर्सिज परसोनल (रिजर्वेशन आफ वैकेन्सीज इन हिमाचल स्टेट नॉन-टैकनीकल सर्विसीज) रूलज, 1972 के नियम-3 के उपबन्धों के अन्तर्गत भर्ती किया गया है और इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वैकेन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैकनीकल सर्विसीज) रूलज, 1985 के नियम-3 के उपबन्धों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो और इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थाईकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व सम्भरक (पोषक) पद पर की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति, उचित चयन के पश्चात् और भर्ती और प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात्, जो स्थाईकरण होंगे। उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

**12. यदि विभागीय प्रोन्नति समिति, विद्यमान हो तो उसकी संरचना.**—जैसी सरकार द्वारा समय-समय पर गठित की जाए।

**13. भर्ती करने में जिन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा.**—जैसा विधि द्वारा अपेक्षित हो।

**14. सीधी भर्ती के लिए अनिवार्य अपेक्षा.**—किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी का भारत का नागरिक होना चाहिए।

**15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन.**—सीधी भर्ती के मामले में पद पर नियुक्ति के लिए चयन, मौखिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। यदि, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझे, तो लिखित परीक्षा या व्यवहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जिसका स्तर/पाठ्यक्रम आयोग/अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा अवधारित किया जाएगा।

**15(क) संविदा नियुक्ति द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन.**—इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी पद पर संविदा नियुक्तियां नीचे दिए गए निबन्धनों और शर्तों के अधीन की जाएगी :—

## संविदा आधार पर नियुक्ति की संकल्पना

### (I) संकल्पना

(क) इस पॉलिसी के अधीन हि0 प्र0 आयुर्वेद विभाग में प्रधानाचार्य को संविदा के आधार पर प्रारम्भ में एक वर्ष के लिए लगाया जाएगा जिसे वर्षानुवर्ष आधार पर बढ़ाया जा सकेगा :

परन्तु संविदा अवधि में वर्षानुवर्ष आधार पर विस्तार/नवीकरण के लिए सम्बद्ध विभागाध्यक्ष, यह प्रमाण पत्र जारी करेगा कि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की सेवा तथा आचरण, वर्ष के दौरान संतोषजनक पाया गया है और तभी उसकी संविदा की अवधि नवीकृत/विस्तारित की जाएगी।

### (ख) पदों का हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के कार्यक्षेत्र में आना :—

प्रधान सचिव (आयुर्वेद)/सचिव (आयुर्वेद), हिमाचल प्रदेश सरकार, रिक्त पदों को संविदा के आधार पर भरने के लिए सरकार का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात्, अध्यापिका को संबद्ध भर्ती अभिकरण, अर्थात् हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के समक्ष रखेगा।

(ग) चयन, इन नियमों में विहित पात्रता शर्तों के अनुसार किया जाएगा।

### (II) संविदात्मक उपलब्धियां :

संविदा के आधार पर नियुक्त प्रधानाचार्य को 23,400/— रुपए की समेकित नियत संविदात्मक रकम (जो पे-बैंड के न्यूनतम जमा ग्रेड पे के बराबर होगी) प्रतिमास संदत्त की जाएगी। यदि संविदा में एक वर्ष से अधिक की बढ़ोतरी की जाती है, तो पश्चात्वर्ती वर्ष (वर्षों) के लिए संविदात्मक उपलब्धियों में 710/— रुपए की रकम (पद के पे-बैंड के न्यूनतम जमा ग्रेड पे का तीन प्रतिशत) वार्षिक वृद्धि के रूप में अनुज्ञात की जाएगी।

### (III) नियुक्ति/अनुशासन प्राधिकारी :

प्रधान सचिव (आयुर्वेद)/सचिव (आयुर्वेद) हिमाचल प्रदेश सरकार नियुक्ति और अनुशासन प्राधिकारी होगा।

### (IV) चयन प्रक्रिया :

संविदा नियुक्ति की दशा में पद पर नियुक्ति के लिए चयन, मौखिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा या यदि आवश्यक या समीचीन समझा जाए, तो लिखित परीक्षा या व्यावहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा, जिसका स्तर/पाठ्यक्रम इत्यादि सम्बद्ध भर्ती अभिकरण, अर्थात् हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा अवधारित किया जाएगा।

### (V) संविदात्मक नियुक्तियों के लिए चयन समितः

(प्राधिकृत भर्ती द्वारा भरे जाने वाले पदों के लिए) जैसी सक्षम भर्ती प्राधिकारी अर्थात् हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा समय-समय पर गठित की जाए।

### (VI) करार :

अभ्यर्थी को, चयन के पश्चात्, इन नियमों से संलग्न उपाबन्ध-ख के अनुसार करार हस्ताक्षरित करना होगा।

### (VII) निबन्धन और शर्तें :

(क) संविदा पर नियुक्त कर्मचारी को 23,400/— रुपए की नियत संविदात्मक रकम (जो पे-बैंड के न्यूनतम जमा ग्रेड पे के बराबर होगी) प्रतिमास संदत्त की जाएगी। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति आगे बढ़ाए गए वर्षों के लिए संविदात्मक रकम में 710/— रुपए (पद के पे-बैंड के न्यूनतम जमा ग्रेड पे का तीन प्रतिशत) की वृद्धि का हकदार होगा/और अन्य कोई सहबद्ध प्रसुविधाएं, जैसे वरिष्ठता/चयन वेतनमान व्यवसाय निषेध भत्ता आदि नहीं दिया जायेगा।

(ख) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की सेवा पूर्णतया अस्थाई आधार पर होगी। यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण ठीक नहीं पाया जाता है, तो नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी।

(ग) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति, एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा। यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा। वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0 टी0 सी0 इत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा/होगी। केवल प्रसूति अवकाश, नियमानुसार दिया जायेगा।

(घ) नियन्त्रण अधिकारी के अनुमोदन के बिना सेवा से अनाधिकृत अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा की पर्यावसान (समापन) हो जाएगा। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति कर्तव्य (ड्यूटी) से अनुपस्थिति की अवधि के लिए संविदात्मक रकम का हकदार नहीं होगा।

(ङ) चयनित अभ्यर्थी को सरकारी अस्पताल से अपना आरोग्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। बारह सप्ताह से अधिक की गर्भवती महिला अभ्यर्थी प्रसव होने तक अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त बनी रहेगी। महिला अभ्यर्थियों का सरकारी अस्पताल द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाएगा।

(च) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का, यदि अपने पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जो वेतनमान के न्यूनतम पर लागू है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा/होगी।

(छ) नियमित कर्मचारियों की दशा में यथा लागू सेवा नियमों के उपबन्ध, जैसे एफ.आर.एस.आर, छुट्टी नियम, साधारण भविष्य निधि नियम, पेन्शन नियम तथा आचरण नियम आदि संविदा पर नियुक्त व्यक्तियों की दशा में लागू नहीं होंगे। वे इस स्तम्भ में यथा वर्णित उपलब्धियों आदि के लिए हकदार होंगे।

**16. आरक्षण.—**लागू नहीं।

**17. विभागीय परीक्षा.—**सेवा में प्रत्येक सदस्य को, समय-समय पर यथा संशोधित विभागीय परीक्षा नियम, 1997 में यथा विहित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी।

**18. शिथिल करने की शक्ति.—**जहां राज्य सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, कारणों को लिखित में अभिलिखित करके और हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, आदेश द्वारा, इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्तियों के प्रवर्ग या पदों की बाबत, शिथिल कर सकेगी।

-----

उपाबन्ध—'ख'

**प्रधानाचार्य और हिमाचल प्रदेश सरकार के मध्य प्रधान सचिव/सचिव (आयुर्वेद) हिमाचल प्रदेश सरकार के माध्यम से निष्पादित की जाने वाली संविदा/करार का प्रारूप**

यह करार श्री/श्रीमती .....पुत्र/पुत्री श्री ..... निवासी.....  
....., संविदा पर नियुक्त व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् "प्रथम पक्षकार" कहा गया है) और हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, के मध्य प्रधान सचिव/सचिव आयुर्वेद, हिमाचल प्रदेश सरकार (जिसे इसमें इसके पश्चात् "द्वितीय पक्षकार" कहा गया है) के माध्यम से आज तारीख..... को किया गया।

"द्वितीय पक्षकार" ने उपरोक्त "प्रथम पक्षकार" को लगाया है और प्रथम पक्षकार ने प्रधानाचार्य के रूप में संविदा के आधार पर निम्नलिखित निबन्धन और शर्तों पर सेवा करने के लिए सहमति दी है:—

1. यह कि प्रथम पक्षकार प्रधानाचार्य के रूप में .....से प्रारम्भ होने और .....को समाप्त होने वाले दिन तक, एक वर्ष की अवधि के लिए द्वितीय पक्षकार की सेवा में रहेगा। यह विनिर्दिष्ट रूप से उल्लिखित किया गया है और दोनों पक्षकारों द्वारा करार पाया गया है कि प्रथम पक्षकार की द्वितीय पक्षकार के साथ संविदा, आखिरी कार्य दिवस को अर्थात्.....दिन को स्वयंमेव ही पर्यवसित (समाप्त) हो जाएगी और सूचना नोटिस आवश्यक नहीं होगा :

परन्तु संविदा की अवधि में वर्षानुवर्ष आधार पर विस्तारण/नवीकरण के लिए विभागाध्यक्ष यह प्रमाण पत्र जारी करेगा कि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की सेवा तथा आचरण वर्ष के दौरान संतोषजनक रहा है और केवल तभी संविदा की अवधि नवीकृत/विस्तारित की जाएगी।

2. प्रथम पक्षकार का संविदा रकम ..... रुपए प्रति मास होगी।
3. प्रथम पक्षकार की सेवा पूर्णतया अस्थाई आधार पर होगी। यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण ठीक नहीं पाया जाता है या यदि नियमित पदधारी उस रिक्ति के विरुद्ध नियुक्त/तैनात कर दिया जाता है जिसके लिए प्रथम पक्षकार को संविदा पर लगाया गया है, तो नियुक्ति पर्यवसित (समाप्त) की जाने के लिए दायी होगी।
4. संविदा पर नियुक्त प्रधानाचार्य एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा। यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा। संविदा पर नियुक्त प्रधानाचार्य को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा। वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0टी0सी0 इत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा/होगी। केवल प्रसूति अवकाश नियुमानुसार दिया जाएगा।
5. नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्तव्य से अनधिकृत अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा का पर्यावसान (समापन) हो जाएगा। संविदा पर नियुक्त प्रधानाचार्य कर्तव्य (ड्युटी) से अनुपस्थिति की अवधि के लिए संविदात्मक रकम का हकदार नहीं होगा/होगी।
6. चयनित अभ्यर्थी को सरकारी अस्पताल से अपना आरोग्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। महिला अभ्यर्थियों की दशा में, बारह सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था, प्रसव होने तक, उसे अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त बना देगी। महिला अभ्यर्थियों का सरकारी अस्पताल से उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाना चाहिए।
7. संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का, यदि अपने पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी नियमित प्रतिस्थानी अधिकारी को वेतनमान के न्यूनतम पर लागू है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा/होगी।
8. संविदा पर नियुक्त व्यक्ति(यों) को कर्मचारी सामूहिक बीमा योजना के साथ-साथ ई0पी0एफ0/जी0पी0एफ0 भी लागू नहीं होगा।
9. किसी भी प्रकार की प्राईवेट प्रैक्टिस जैसी भी हो, प्रतिबिद्ध है।

इसके साक्ष्यस्वरूप प्रथम पक्षकार और द्वितीय पक्षकार ने इसमें सर्वप्रथम उल्लिखित तारीख को अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

साक्षी की उपस्थिति में

1. ....  
.....  
.....  
(नाम व पूरा पता)

2. ....  
 .....  
 .....  
 (नाम व पूरा पता)

(प्रथम पक्षकार के हस्ताक्षर)

साक्षी की उपस्थिति में

1. ....  
 .....  
 .....  
 (नाम व पूरा पता)

2. ....  
 .....  
 .....  
 (नाम व पूरा पता)

(द्वितीय पक्षकार के हस्ताक्षर)

[Authoritative English Text of this Department's Notification No. Ayur-A(3)-2/2010 dated 27th November 2010 as required under clause (3) of Article 309 of the Constitution of India.]

## DEPARTMENT OF AYURVEDA

### NOTIFICATION

*Shimla-171002, the 27th November, 2010*

**No. Ayu-A(3)-2/2010.**—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 to the Constitution of India, the Governor of Himachal Pradesh, in consultation with HP Public Service Commission, is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules for the post of Principal (Class-I Gazetted) in the Department of Ayurveda, Himachal Pradesh, as per Annexure-A attached to this notification, namely:—

**1. Short title & Commencement.**—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Department of Ayurveda, Principal Class-I (Gazetted) Recruitment & Promotion Rules, 2010.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in official Gazette.

**2. Repeal & Savings.**—(1) The Himachal Pradesh Department of Ayurveda, Principal (Class-I Gazetted) Recruitment & Promotion Rules, 1980 notified vide this Department's Notification No. Swasthya-Kha(3)-3/79-Part dated 24-5-1980 are hereby repealed to the extent these are applicable to the post of Principal.

(2) Notwithstanding such repeal, any appointment made or anything done or any action taken under the relevant rules so repealed under sub rule 2(1) supra shall be deemed to have been validly made, done or taken under these rules.

By order,  
 Sd/-  
*Principal Secretary (Ayurveda).*



**Recruitment and Promotion Rules for the post of Principal (Class-I-Gazetted) in the  
Department of Ayurveda , Himachal Pradesh**

1. **Name of Post.**—Principal.
2. **Number of Post(s).**—1(One).
3. **Classification.**—Class-I (Gazetted).
4. **Scale of Pay.**—(i) Pay Scale for regular incumbents :  
Rs. 15600-39100 plus 7800/-Grade Pay.  
  
(ii) Emoluments for contract employees:  
Rs. 23,400/- as per details given in column 15-A.
5. **Whether selection or Non-selection post.**—Selection Post.
6. **Age for direct recruitment.**—45 years and below.

Provided that the upper age limit for direct recruits will not be applicable to the candidates already in service of the Government including those who have been appointed on *ad hoc* or on contract basis.

Provided further that if a candidate appointed on *ad hoc* basis or on contract basis had become overage on the date when he/she was appointed as such he/she shall be eligible for any relaxation in the prescribed age limit by virtue of his/her *ad hoc* or contract appointment.

Provided further that the upper age limit is relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Other categories of persons to the extent permissible under the general or special order(s) of the Himachal Pradesh Government.

Provided further that the employees of all the Public Sector Undertakings and Autonomous Bodies who happened to be Government servants before absorption in Public Sector Undertakings/autonomous bodies at the time of initial constitutions of such Undertakings/autonomous bodies shall be allowed age concession in direct recruitment as admissible to Government Servants. This concession will however not be admissible to such staff of the Public Sector Undertakings/autonomous bodies who were/are subsequently appointed by such Undertakings/autonomous bodies and who are/were finally absorbed in the service of such Undertakings/autonomous bodies after initial constitution of the Public Sector Undertakings/Autonomous Bodies.

1. Age limit for direct recruitment shall be reckoned on the first day of the year in which the post(s) is/are advertised for inviting applications or notified to the Employment Exchange as the case may be.

2. Age and qualification/experience in the case of direct recruitment is relaxable at the discretion of H.P. Public Service Commission in case the candidate is otherwise well qualified.

**7. Minimum Educational and other qualifications required for direct recruitment.—ESSENTIAL QUALIFICATION:** (i) Bachelor Degree in Ayurveda from any recognized University or Council of Indian System of Medicine established by law or from an Ayurvedic College recognized by the Government.

- (ii) Post-Graduate Degree in any subject of Ayurveda from an Ayurvedic Institution.
- (iii) Knowledge of Sanskrit to the standard of Matric or equivalent level.
- (iv) 10 years teaching experience as Professor/Reader/Senior Lecturer combined.

**DESIRABLE QUALIFICATION.**—Knowledge of customs, manners and dialects of H.P. and suitability for appointment in the peculiar conditions prevailing in the H.P.

**8. Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of the promotees.**—Age: N.A. **EDUCATIONAL QUALIFICATION:** Yes, as prescribed against Col. No. 11 below.

**9. Period of probation, if any.**—Two years subject to such further extension for a period not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing.

**10. Method of recruitment whether By direct recruitment or by promotion deputation, transfer and the percentage of posts to be filled in by various methods.**—100% by promotion failing which by direct recruitment on a regular basis or by recruitment on contract basis. The contract employees will get emoluments as given in Col.15-A and will be governed by the service conditions as specified in the said Column.

**11. In case of recruitment By promotion, deputation, Transfer, grade from which promotion/deputation/transfer is to be made.**—By promotion from amongst the Professors who possess the educational qualification as prescribed against Col. No. 7 (iv) and having 03 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* service rendered if any in the grade failing which by promotion from amongst the Professors with 10 years regular service or regular combined with *ad hoc* service combined as Professors/Readers/Sr. Lecturers out of which 02 years essential service as Professors.

For the purpose of promotion a combined seniority list on the basis of length of service of the incumbents without disturbing their cadrewise *inter-se-seniority* shall be prepared.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the R&P Rules;

Provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least 3 years or that prescribed in the R&P Rules for the post, whichever is less;

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

**EXPLANATION.**—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be exservicemen recruited under the provisions of Rule-3 of the Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule-3 of the Exservicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly in all cases of confirmation continuous adhoc service rendered on the feeder post if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *adhoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provision of the R&P Rules;

Provided that *inter-seniority* as a result of confirmation after taking into account, *adhoc* service rendered as referred to above shall remain unchanged.

**12. If a Departmental Promotion committee exists, what is its composition.**—As may be constituted by the Govt. from time to time.

**13. Circumstances under which the H.P.P.S.C. is to be consulted in making recruitment.**—As required under the Law.

**14. Essential requirement for a direct recruitment.**—A candidate(s) for appointment to any service or post must be a citizen of India.

**15. Selection for appointment to post by direct recruitment.**—Selection for appointment to the post in the case of direct recruitment shall be made on the basis of viva-voce test, if H.P. Public Service Commission or other recruiting authority as the case may be, so consider necessary or expedient by a written test or practical test, the standard/syllabus etc. of which will be determined by the Commission/other recruiting authority as the case may be.

**15-A Selection for appointment to post by direct recruitment on contract basis.**—Notwithstanding anything contained in these rules, contract appointments to the post will be made subject to the terms and conditions given below:-

**Concept of appointment on contract basis:—**

**(I) CONCEPT.**—(a) Under this policy, Principal in the Department of Ayurveda will be engaged on contract basis initially for one year, which may be extended on year to year basis.

Provided that for extension/renewal of contract period on year to year basis the concerned HOD shall issue a certificate that the service and conduct of the contract appointee is satisfactory during the year and only then his period of contract is to be renewed/extended.

**(b) Posts falling within the purview of H.P.P.S.C.**—The Principal Secretary (Ayurveda)/Secretary (Ayurveda) after obtaining the approval of the Government to fill up the vacant posts on contract basis will place the requisition with the concerned recruitment agency *i.e.* H.P. Public Service Commission.

**(c)** The selection will be made in accordance with the eligibility conditions prescribed in these rules.

**(II) Contractual Emoluments.**—The Principal appointed on contract basis will be paid consolidated fixed contractual amount @ Rs. 23,400/- per month (which shall be equal to minimum

of the pay band plus grade pay). An amount of Rs. 710/- (3% of the minimum of pay band plus grade pay of the post) as annual increase in contractual amoluments for the subsequent year(s) will be allowed if contract is extended beyond one year.

**(III) Appointment/Disciplinary Authority.**—The Principal Secretary (Ayurveda)/ Secretary (Ayurveda) to the Govt. of H.P. will be appointing and disciplinary authority.

**(IV) Selection Process.**—(a) For the post to be filled up through concerned recruitment agency : Selection for appointment to the post in the case of Contract Appointment will be made on the basis of *viva-voce* test, or if consider necessary or expedient by a written test or practical test the standard /syllabus etc. of which will be determined by the concerned recruitment agency i.e H.P. Public Service Commission.

**(V) Committee for selection of Contractual Appointment.**—(For the posts to be filled up by the authorized recruitment agency) “As may be constituted by the competent authority i.e. H.P. Public Service Commission from time to time”.

**(VI) Agreement.**—After selection of a candidate, he/she shall sign an agreement as per Annexure-B appended to these Rules.

**(VII) Terms and Conditions.**—(a) The contract appointee will be paid consolidated fixed contractual amount @ Rs. 23,400/- per month (which shall be equal to minimum of the pay band plus grade pay).The contract appointee will be entitled for an incease in contractual amount @ of Rs. 710/- (3% of the minimum of pay band plus grade pay of the post) for further extended years and no other allied benefits such as seniority/selection scales and NPA etc. will be given.

- (b) The service of the contract appointee will be purely on temporary basis. The appointment is liable to be terminated in case the performance/conduct of the contract appointee is not found satisfactory.
- (c) Contract appointee will be entitled one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated up to one year. No leave of any other kind is admissible to the contract appointee. He/She shall not be entitled for Medical Reimbursement and LTC etc. only maternity leave to female incumbent will be given as per rules.
- (d) Unauthorized absence from the duty without the approval of the controlling Officer shall automatically lead to the termination of the contract. Contract appointee shall not be entitled for contractual amount for the period of absence from duty.
- (e) Selected candidate will have to submit a certificate of his/her fitness from Govt. Hospital. Women candidate pregnant beyond 12 weeks will stand temporarily unfit till the confinement is over. The women candidate will be re-examined for the fitness from Govt. Hospital.
- (f) Contract appointee will be entitled for TA/DA if required to go on tour in connection with his/her official duties at the same rate as applicable at the minimum of pay scale.
- (g) Provisions of service rules like FR, SR, Leave Rules, GPF Rules, Pension Rules and Conduct Rules etc. as are applicable in case of regular employees will not be applicable in case of contract appointees. They will be entitled for emoluments etc. as detailed in this Column.

**16. Reservation.—**Not applicable.

**17. Departmental Examination.—**Every member of the service shall pass a Departmental Examination as prescribed in the Departmental Examination Rules, 1997 and as amended from time to time.

**18. Power to relax.—**Where the State Govt. is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the H.P. Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

**ANNEXURE-B**

**FORM OF CONTRACT/AGREEMENT TO BE EXECUTED BETWEEN THE  
PRINCIPAL AND THE GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH THROUGH  
PRINCIPAL SECRETARY/SECRETARY (AYURVEDA) TO THE GOVERNMENT OF  
HIMACHAL PRADESH**

This agreement is made on this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ in the year \_\_\_\_\_ between  
Sh/Smt. \_\_\_\_\_ son/daughter of Shri \_\_\_\_\_ R/o \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_ contract appointee (here-in-after called the FIRST PARTY), AND the Governor, Himachal Pradesh through Principal Secretary/Secretary (Ayurveda) to the Govt. of Himachal Pradesh (here-in-after the SECOND PARTY). Whereas, the SECOND PARTY has engaged the aforesaid FIRST PARTY and FIRST PARTY has agreed to serve as a Principal on contract basis on the following terms and conditions:—

1. That the FIRST PARTY shall remain in the service of the SECOND PARTY as a Principal for a period of one year commencing on the \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ and ending on \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_. It is specifically mentioned and agreed upon by both the parties that the contract of the FIRST PARTY with the SECOND PARTY shall ipso facto stand terminated on the last working day i.e. on \_\_\_\_\_ and information notice shall not be necessary.

Provided that for further extension/renewal of contract period the HOD shall issue a certificate that the service and conduct of the contract appointee was satisfactory during the year and only then the period of contract is to be renewed/extended.

2. The contractual amount of the FIRST PARTY will be Rs. \_\_\_\_\_ per month.
3. The service of FIRST PARTY will be purely on temporary basis. The appointment is liable to be terminated in case the performance/conduct of the contract appointee is not found good or if a regular incumbent is appointed/posted against the vacancy for which the first party was engaged on contract.

4. Contractual Principal will be entitled for one day casual leave after putting in one month service. This leave can be accumulated up to one year. No leave of any kind is admissible to the contractual Principal. He will not be entitled for any kind of Medical Reimbursement and LTC etc. Only maternity leave will be given as per rules.
5. Unauthorized absence from the duty without the approval of the Controlling Officer shall automatically lead to the termination of the contract. A contractual Principal will not be entitled for contractual amount for the period of absence from duty.
6. Selected candidate will have to submit a certificate of his/her fitness from Govt. Hospital. In case of women candidates pregnant beyond 12 weeks will render her temporarily unfit till the confinement is over. The woman candidate should be re-examined for fitness from Govt. Hospital.
7. Contract appointee shall be entitled to TA/DA if required to go on tour in connection with his/her official duties at the same rates as applicable to regular counterpart officer at the minimum of the pay scale.
8. The Employees Group Insurance Scheme as well as EPF/GPF will not be applicable to the contractual appointee(s).
9. Private practice of any kind, whatsoever is prohibited.

IN WITNESS the FIRST PARTY and SECOND PARTY have herein to set their hands the day, month and year first, above written.

IN THE PRESENCE OF WITNESS:

1. \_\_\_\_\_

Name\_\_\_\_\_

Address\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

2. \_\_\_\_\_

Name\_\_\_\_\_

Address\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

(Signature of the FIRST PARTY)

IN THE PRESENCE OF WITNESS.

1. \_\_\_\_\_

Name\_\_\_\_\_

Address\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

2. \_\_\_\_\_

Name\_\_\_\_\_

Address\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

(Signature of the SECOND PARTY)

**शहरी विकास विभाग****अधिसूचना**

शिमला-2, 26 नवम्बर, 2010

**संख्या: यू0 डी0-ए0 (3) 9/2010.**—हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1994 (1994 का अधिनियम संख्यांक 13) के साथ पठित हिमाचल प्रदेश नगरपालिका (अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद के आरक्षण और निर्वाचन) नियम, 1995 के नियम 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगरपालिकाओं के अध्यक्ष पद के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति तथा महिलाओं के लिए आरक्षण निम्न प्रकार से अधिसूचित करती है:—

**अनुसूचित जाति :**

1. नगर पंचायत महतपुर।
2. नगर पंचायत राजगढ़।
3. नगर पंचायत जुब्बल।
4. नगर पंचायत चौपाल।

**अनुसूचित जाति महिला :**

1. नगर पंचायत भोटा।
2. नगर पंचायत तलाई।
3. नगर पंचायत सुन्नी।
4. नगर पंचायत देहरा।

**अनुसूचित जन जाति :**

1. नगरपरिषद् मनाली।

**महिला :**

1. नगरपरिषद् कांगड़ा।
2. नगर पंचायत सरकाघट।
3. नगर पंचायत दौलतपुर।
4. नगरपरिषद् नगरोटा।
5. नगर पंचायत नदौन।
6. नगर पंचायत सन्तोखगढ़।
7. नगरपरिषद् नूरपुर।
8. नगरपरिषद् चम्बा।
9. नगर पंचायत ज्वालामुखी।
10. नगर पंचायत चवारी।
11. नगरपरिषद् घुमारवीं।
12. नगरपंचायत जोगिन्दर नगर।
13. नगरपरिषद् सुन्दरनगर।
14. नगरपरिषद् मण्डी।
15. नगर पंचायत गगरेट।
16. नगर पंचायत अर्की।
17. नगरपरिषद् बिलासपुर।
18. नगरपरिषद् ऊना।
19. नगरपरिषद् नाहन।
20. नगरपरिषद् नालागढ़।

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित /—  
प्रधान सचिव (शहरी विकास)।

[Authoritative English Text of the Government Notification No. UD-A (3)9 /2010 dated 26th-11-2010 as required under article 348 (3) of the Constitution of India].

## DEPARTMENT OF URBAN DEVELOPMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, 26th November, 2010

**No. UD-A (3)- 9/2010.**—In exercise of the powers conferred by Section 12 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1994 (13 of 1994) read with Rule 3 of the Himachal Pradesh Municipal (Reservation and Election to the office of President and Vice-President) rules, 1995, the Governor Himachal Pradesh is pleased to notify the reservation to the office of President in Municipalities for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Women, as under:—

#### Scheduled Castes:

1. Nagar Panchayat Mehatpur
2. Nagar Panchayat Rajgarh
3. Nagar Panchayat Jubbal
4. Nagar Panchayat Chopal

#### Scheduled Castes Women:

1. Nagar Panchayat Bhotta
2. Nagar Panchayat Talai
3. Nagar Panchayat Sunni
4. Nagar Panchayat Dehra

#### Scheduled Tribes:

1. Municipal Council Manali

#### Women:

1. Municipal Council Kangra
2. Nagar Panchayat Sarkaghat
3. Nagar Panchayat Daulatpur
4. Municipal Council Nagrota
5. Nagar Panchayat Nadaun
6. Nagar Panchayat Santokhgarh
7. Municipal Council Nurpur
8. Municipal Council Chamba
9. Nagar Panchayat Jawalamukhi
10. Nagar Panchayat Chawari
11. Municipal Council Ghumarwin
12. Nagar Panchayat Jogindernagar
13. Municipal Council Sundernagar
14. Municipal Council Mandi
15. Nagar Panchayat Gagret
16. Nagar Panchayat Arki
17. Municipal Council Bilaspur
18. Municipal Council Una
19. Municipal Council Nahan
20. Municipal Council Nalagarh

By order,  
Sd/-

Principal Secretary (UD).



## शहरी विकास विभाग

## अधिसूचना

शिमला-2, 27 नवम्बर, 2010

**संख्या यू0डी0-ए0 (3) 8/2010.**—हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1994 (1994 का अधिनियम संख्यांक 13) की धारा 304 के अधीन उनमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्य निर्वाचन आयोग के परामर्श से, सरकार की अधिसूचना संख्या एल0 एस0जी0-ए0 (3)9/1994 तारीख 16-12-1994 द्वारा अधिसूचित और राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) में तारीख 16-12-1994 को प्रकाशित हिमाचल प्रदेश नगरपालिका (निर्वाचन) नियम, 1994 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

**1. संक्षिप्त नाम.**—इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश नगरपालिका (निर्वाचन) संशोधन नियम, 2010 है।

**2. नियम 24-क का अन्तःस्थापन.**—हिमाचल प्रदेश नगरपालिका (निर्वाचन) नियम, 1994 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् “उक्त नियम” कहा गया है) के नियम 24 के पश्चात् निम्नलिखित नया नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“24-क. चुनाव चिन्ह का वर्गीकरण.—(1) इन नियमों के प्रयोजन के लिए चुनाव चिन्ह या तो आरक्षित या स्वतन्त्र है।

(2) आरक्षित चुनाव चिन्ह वह चुनाव चिन्ह है जो मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टी के लिए, उस पार्टी द्वारा चुनाव लड़ने के लिए खड़े किए गए अभ्यर्थियों को अनन्य आबंटित, आरक्षित चुनाव चिन्ह है।

(3) स्वतन्त्र चुनाव चिन्ह वह चुनाव चिन्ह है जो आरक्षित चिन्ह से अन्यथा है।”।

**3. नियम 26 का संशोधन.**—उक्त नियमों के नियम 26 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“26 प्रतिभूति निक्षेप.—कोई अभ्यर्थी निर्वाचन के लिए नामांकित नहीं समझा जाएगा जब तक कि उसने रिटर्निंग ऑफिसर के पास रसीद प्राप्त कर नकद में प्रतिभूति के रूप में निक्षिप्त न की हो या निक्षिप्त करना कारित न किया हो—

(क) नगरपालिका के अध्यक्ष की दशा में एक हजार रुपए की राशि और जहां पर अभ्यर्थी महिला या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाती या पिछड़े वर्ग का सदस्य है तो सात सौ रुपए की राशि;

(ख) नगरपालिका के उपाध्यक्ष की दशा में सात सौ रुपए की राशि और जहां पर अभ्यर्थी महिला या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाती या पिछड़े वर्ग का सदस्य है तो पांच सौ रुपए की राशि; और

(ग) नगरपालिका के किसी चुनाव क्षेत्र के किसी सदस्य की दशा में दो सौ रुपए की राशि और जहां पर अभ्यर्थी महिला या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाती या पिछड़े वर्ग का सदस्य है तो एक सौ रुपए की राशि।”।

**4. नियम 31 का प्रतिस्थापन.**—उक्त नियमों के नियम 31 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“31. (1) अभ्यर्थियों के चुनाव चिन्ह का आबंटन.—चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूचना को तैयार करने के पश्चात् यदि अभ्यर्थियों की संख्या एक से अधिक है तो रिटर्निंग अधिकारी प्रत्येक चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थी को:—

(क) जहां पर ऐसा अभ्यर्थी नगरपालिका में किसी निर्वाचन में किसी राजनीतिक पार्टी द्वारा खड़ा किया गया है को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उस पार्टी के लिए आरक्षित चुनाव चिन्ह आबंटित करेगा; और

(ख) जहां ऐसा अभ्यर्थी राजनीतिक पार्टी द्वारा खड़ा नहीं किया गया है, को निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची में कम संख्या के अनुसार स्वतन्त्र चुनाव चिन्ह आबंटित करेगा और नियम 24 के अधीन अधिसूचना में विनिर्दिष्ट स्वतन्त्र चुनाव चिन्ह के क्रम संख्या के अनुसार स्वतन्त्रत चुनाव चिन्ह अनुमोदित करेगा।

(2) प्रत्येक मामले में जहां चुनाव चिन्ह उप नियम (1) के अधीन अभ्यर्थी को समनुदेशित किया गया है तो ऐसे अभ्यर्थी को तुरन्त इस प्रकार समनुदेशित किए गए चुनाव चिन्ह की बाबत सूचित किया जाएगा और रिटर्निंग अधिकारी द्वारा उसका नमूना दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची में प्रत्येक अभ्यर्थी को आबंटित चुनाव चिन्ह भी अन्तर्विष्ट होगा।”।

**5. नियम 31-क का अन्तःस्थापन.**—उक्त नियमों के नियम 31 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“31-क. जब अभ्यर्थी राजनीतिक पार्टी द्वारा खड़ा किया गया समझा जाएगा.—इन नियमों के प्रयोजन के लिए कोई अभ्यर्थी राजनीतिक पार्टी द्वारा केवल तभी खड़ा किया गया समझा जाएगा यदि;—

(क) अभ्यर्थी ने अपने नामांकन पत्र में इस प्रभाव की घोषणा की है;

(ख) रिटर्निंग ऑफिसर को नामांकन को वापस लेने के अंतिम दिन को तीन बजे अपराह्न से पूर्व इस प्रभाव का नोटिस लिखित में न दे दिया गया हो;

(ग) उक्त नोटिस पार्टी के अध्यक्ष, सचिव या किसी अन्य पदधारी द्वारा हस्ताक्षरित है और पार्टी द्वारा ऐसे नोटिस को भेजने के लिए अध्यक्ष, सचिव या ऐसा अन्य पदधारी प्राधिकृत है; और

(घ) ऐसे प्राधिकृत व्यक्ति का नाम और हस्ताक्षर का नमूना रिटर्निंग ऑफिसर तथा सचिव राज्य निर्वाचन आयोग को नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख को तीन बजे अपराह्न से पूर्व संसूचित है।”।

**6. प्ररूप 18 का संशोधन.**—उक्त नियमों के प्ररूप 18 में “(अभ्यर्थी द्वारा भरा जाएगा)” भाग में खण्ड (ख) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(ग) कि मुझे—पार्टी द्वारा इस निर्वाचन में खड़ा किया गया है।”।

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित /—  
प्रधान सचिव (शहरी विकास)।

[Authoritative English Text of this Department notification No. UD-A (8)-8/ 2010, dated: 27th November, 2010, as required under article 348 (3) of the Constitution of India].

## URBAN DEVELOPMENT DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, 27th November, 2010

**No. UD-A (3)-8 /2010.**—In exercise of the powers vested in her under section 304 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1994 (Act No. 13 of 1994), the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the State Election Commission, is pleased to make the following rules further to

amend the Himachal Pradesh Municipal Rules, 1994 notified vide Government Notification No. L.S.G.-A (3)9/94 dated 16-12-1994 and published in the Rajpatra Himachal Pradesh (extra ordinary) dated 16-12-1994, namely:—

**1. Short Title.**—These rules may be called the Himachal Pradesh Municipal (Election) Amendment Rules, 2010.

**2. Insertion of rule 24-A.**—After rule 24 of the Himachal Pradesh Municipal (Election) rules, 1994, (hereinafter referred to as the “said rules”) the following new rule shall be inserted, namely :—

“24-A. Classification of symbols.—(1) For the purpose of these rules election symbols are either reserved or free.

(2) A reserved election symbol is election symbol which is reserved for a recognized political party for exclusive allotment to contesting candidates set up by that party.

(3) A free election symbol is election symbol other than a reserved symbol.”.

**3. Amendment of rule 26.**—For rule 26 of the said rules, the following shall be substituted, namely:—

“26” Security deposits.—A candidate shall not be deemed to be nominated for election unless he has deposited or caused to be deposited as security with the Returning Officer in cash against receipt—

(a) in case of President of Municipality a sum of rupees One thousand and where a candidate is woman or a member of Scheduled castes or Scheduled Tribes or Backward Classes a sum of Seven Hundred rupees;

(b) in case of Vice-President of Municipality a sum of rupees Seven hundred and where a candidate is woman or a member of Scheduled castes or Scheduled Tribes or Backward Classes a sum of five hundred rupees;

(c) in case of member of Municipality from any constituency a sum of rupees two Hundred and where a candidate is woman or a member of Scheduled castes or Scheduled Tribes or Backward Classes a sum of one hundred rupees;

**4. Substitution of rule 31.**—For rule 31 of the said rules the following shall be substituted namely:—

“31” Allotment of symbols to Candidates.—(1) After the list of contesting candidates is prepared if the number of candidates is more than one, the Returning Officer shall, to every contesting candidate:—

(a) Where such a candidate is set up by a political party at any election in municipality allot the election symbol reserved for that party by the Election Commission of India; and

(b) Where such a candidate is not set up by a political party, allot the free symbol according to the serial number in the list of contesting candidates, and of the approved free symbols, in accordance with the serial number of the free election symbols specified in notification under rule 24.

(2) In every case where an election symbol has been assigned to a candidate under sub-rule (1) such candidate shall forthwith be informed of the election symbol so assigned and be supplied with a specimen thereof by the Returning Officer. In that event the list of contesting candidates shall also contain election symbol allotted to each candidate.”.

**5. Insertion of rule 31-A.**—After rule 31 of the said rules, the following rule shall be inserted namely:-

“31-A” When a candidate shall be deemed to be set up by a political party.- for the purpose of these rules, a candidate shall be deemed to be filled up by a political party if, and only if:—

- (a) the candidate has made a declaration to that effect in his nomination paper,
- (b) a notice in writing to that effect has not later than 3.00 P.M. on the last day of withdrawal of candidature been delivered to the Returning Officer;
- (c) the said notice is signed by the President, the Secretary or any other office bearer of the party and the President, Secretary or such other office bearer as is authorized by the party to send such notice; and
- (d) the name and specimen signatures of such authorized person are communicated to the Returning Officer and to the Secretary State Election Commission not later than 3.00 P.M. on the last date for the withdrawal of candidature.”.

**6. Addition of form-18.**—In form-18 to the said rules, in portion “(To be filled by the Candidate)”, after clause (b), the following clause shall be inserted, namely:—

“(c) that I am setup in this election by the ----- party.”.

By order,  
Sd/-  
Principal Secretary (UD).

मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 20 नवम्बर, 2010

**संख्या मुद्रण (बी)2-7/99.**—हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समसंख्यक अधिसूचना तारीख 20 फरवरी, 2001 द्वारा अधिसूचित और राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में तारीख 10 मार्च, 2001 को प्रकाशित हिमाचल प्रदेश मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग, स्वीपर, वर्ग-IV (अराजपत्रित) (लिपिक वर्गीय सेवाएं) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2001 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती हैं, अर्थात्:—

**1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.**—(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग, स्वीपर, वर्ग-IV (अराजपत्रित) (लिपिक वर्गीय सेवाएं) भर्ती और प्रोन्नति (द्वितीय संशोधन) नियम, 2010 हैं।

(ii) ये नियम राजपत्र हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

**2. उपाबन्ध “क” का संशोधन.**—हिमाचल प्रदेश मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग, स्वीपर, वर्ग-IV (अराजपत्रित) (लिपिक वर्गीय सेवाएं) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2001 के उपाबन्ध ‘क’ में :—

(क) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(i) नियमित पदधारियों के लिए वेतनमान : 4900—10680/— रुपए जमा 1300/— रुपए ग्रेड पे प्रतिमास।

(ii) संविदा पर नियुक्त कर्मचारियों के लिए उपलब्धियां :

6200/— रुपए प्रति मास (स्तम्भ संख्या: 15—क में दिए गए ब्यौरे के अनुसार)।”

(ख) स्तम्भ संख्या 10 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“यथास्थिति, शतप्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा नियमित आधार पर या संविदा के आधार पर भर्ती द्वारा। संविदा पर नियुक्त कर्मचारी, स्तम्भ 15—क में दी गई उपलब्धियां प्राप्त करेंगे और उक्त स्तम्भ में विनिर्दिष्ट सेवा शर्तों द्वारा विनियमित होंगे।”

(ग) स्तम्भ संख्या 15 के पश्चात् निम्नलिखित नया स्तम्भ संख्या 15—क अन्तःस्थापित किया जाएगा :—

इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी पद पर संविदा नियुक्तियों नीचे दिए गए निबन्धनों और शर्तों के अधीन की जाएंगी :—

**15—(क) संविदा नियुक्ति द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन.**—(i) **संकल्पना.**—(क) इस पॉलिसी के अधीन हिमाचल प्रदेश मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग में स्वीपर को संविदा के आधार पर प्रारम्भ में एक वर्ष के लिए लगाया जाएगा, जिसे वर्षानुवर्ष आधार पर बढ़ाया जा सकेगा :

परन्तु वर्षानुवर्ष आधार पर संविदा की अवधि में बढ़ौतरी/नवीकरण के लिए सम्बद्ध विभागाध्यक्ष, यह प्रमाण पत्र जारी करेगा कि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की सेवा तथा आचरण उस वर्ष के दौरान संतोषजनक रहा है और केवल तभी उसकी संविदा अवधि की बढ़ौतरी/नवीकरण किया जाएगा।

**(ख) पद का हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग/हिमाचल प्रदेश अधीनस्थ सेवाएं चयन बोर्ड के कार्यक्षेत्र से बाहर होना.**—नियन्त्रक मुद्रण और लेखन सामग्री विभाग रिक्त पदों को संविदा के आधार पर भरने के लिए सरकार का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् रिक्त पदों के ब्यौरे कम से कम दो अग्रणी समाचार पत्रों में विज्ञापित करेगा, और इन नियमों में यथा विहित अर्हताओं और अन्य पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित करेगा।

(ग) चयन इन नियमों में विहित पात्रता शर्तों के अनुसार किया जाएगा।

**(II) संविदात्मक उपलब्धियां :**

संविदा के आधार पर नियुक्त स्वीपर को 6200/— रुपए की समेकित नियत संविदात्मक रकम (जो पे बैंड के न्यूनतम जमा ग्रेड पे के बराबर होगी) प्रतिमास संदत्त की जाएगी। यदि संविदा में एक वर्ष से अधिक की बढ़ौतरी की जाती है, तो पश्चात्वर्ती वर्ष (वर्षों) के लिए संविदात्मक उपलब्धियों में 190/— रुपए की रकम (पद के पे बैंड के न्यूनतम जमा ग्रेड पे का तीन प्रतिशत) वार्षिक वृद्धि के रूप में अनुज्ञात की जाएगी।

**(III) (नियुक्ति/अनुशासन प्राधिकारी)**

नियन्त्रक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, नियुक्ति और अनुशासन प्राधिकारी होगा।

**(IV) चयन प्रक्रिया :**

संविदा नियुक्ति की दशा में, पद पर नियुक्ति के लिए चयन, मौखिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा या यदि आवश्यक या समीचीन समझा जाए तो लिखित परीक्षा या व्यावहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा, जिसका स्तर/पाठ्यक्रम आदि सम्बद्ध भर्ती अभिकरण अर्थात् नियन्त्रक मुद्रण एवं लेखन सामग्री द्वारा अवधारित किया जाएगा।

**(V) संविदात्मक नियुक्तियों के लिए चयन समिति**

जैसी सम्बद्ध भर्ती अभिकरण अर्थात् नियन्त्रक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश द्वारा समय-समय पर गठित की जाए।

**(VI) करार :**

अभ्यर्थी को, चयन के पश्चात्, इन नियमों से संलग्न उपाबन्ध-ख के अनुसार करार हस्ताक्षरित करना होगा।

**(VII) निबन्धन और शर्तें :**

(क) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को 6200/- रुपए की नियत संविदात्मक रकम, (जो पे बैंड के न्यूनतम जमा ग्रेड पे के बराबर होगी) प्रतिमास संदत्त की जाएगी। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति आगे बढ़ाए गए वर्ष/वर्षों के लिए संविदात्मक रकम में 190/- रुपए (पद के पे बैंड के न्यूनतम जमा ग्रेड पे का तीन प्रतिशत) की वृद्धि का हकदार होगा और अन्य कोई सहबद्ध प्रसुविधाएं, जैसे वरिष्ठ/चयन वेतनमान आदि नहीं दिया जाएगा।

(ख) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की सेवा पूर्णतया अस्थायी आधार पर होगी। यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण ठीक नहीं पाया जाता है, तो नियुक्ति पर्यवसित (समाप्त) किए जाने के लिए दायी होगी।

(ग) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा। यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा। वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0 टी0 सी0 इत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा/होगी। केवल प्रसूति अवकाश, नियमानुसार दिया जाएगा।

(घ) नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना सेवा से अनधिकृत अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा का पर्यावसान (समापन) हो जाएगा। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति कर्त्तव्य (ड्यूटी) से अनुपस्थिति की अवधि के लिए संविदात्मक रकम का हकदार नहीं होगा।

(ङ) संविदा पर नियुक्त कर्मचारी, जिसने तैनाती के एक स्थान पर पांच वर्ष का कार्यकाल पूर्ण कर लिया है, आवश्यकता के आधार पर स्थानांतरण हेतु पात्र होगा, जहां भी प्रशासनिक आधार पर ऐसा करना अपेक्षित हो।

(च) चयनित अभ्यर्थी को सरकारी/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। बारह सप्ताह से अधिक की गर्भवती महिला अभ्यर्थी प्रसव होने तक, अस्थायी तौर पर अनुपयुक्त बनी रहेगी। महिला अभ्यर्थियों का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाएगा।

(छ) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का, यदि अपने पदीय कर्त्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी नियमित प्रतिस्थानी कर्मचारियों को वेतनमान के न्यूनतम पर लागू हैं, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा/होगी।

(ज) नियमित कर्मचारियों की दशा में यथा लागू सेवा नियमों के उपाबन्ध, जैसे एफ0 आर0, एस0आर0, छुट्टी नियम, साधारण भविष्य निधि नियम, पेंशन नियम तथा आचरण नियम आदि संविदा पर नियुक्त व्यक्तियों की दशा में लागू नहीं होंगे। वे इस सतम्भ में यथावर्णित उपलब्धियों आदि के लिए हकदार होंगे।

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित /—  
सचिव (मुद्रण एवं लेखन)  
हिमाचल प्रदेश सरकार।

उपाबन्ध—'ख'

**स्वीपर और हिमाचल प्रदेश सरकार के मध्य, नियन्त्रक मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग हिमाचल प्रदेश के माध्यम से निष्पादित की जाने वाली संविदा/करार का प्ररूप**

यह करार श्री/श्रीमती..... पुत्र/पुत्री श्री.....  
.....निवासी....., संविदा पर नियुक्त व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् "प्रथम पक्षकार" कहा गया है), और हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, के मध्य नियन्त्रक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग, हिमाचल प्रदेश, (जिसे इसमें इसके पश्चात् "द्वितीय पक्षकार" कहा गया है) के माध्यम से आज तारीख.....  
..... को किया गया।

"द्वितीय पक्षकार" ने उपरोक्त प्रथम पक्षकार को लगाया है और प्रथम पक्षकार ने—स्वीपर के रूप में संविदा के आधार पर निम्नलिखित निबन्धन और शर्तों पर सेवा करने के लिए सहमति दी है:—

1. यह कि प्रथम पक्षकार स्वीपर के रूप में..... से प्रारम्भ होने और..... को समाप्त होने वाले दिन तक, एक वर्ष की अवधि के लिए द्वितीय पक्षकार की सेवा में रहेगा। यह विनिर्दिष्ट रूप से उल्लिखित किया गया है और दोनों पक्षकारों द्वारा करार पाया गया है कि प्रथम पक्षकार की द्वितीय पक्षकार के साथ संविदा, आखिरी कार्य दिवस को अर्थात्..... दिन को स्वयंमेव ही पर्यवसित (समाप्त) हो जाएगी और सूचना नोटिस आवश्यक नहीं होगा :

परन्तु वर्षानुवर्ष आधार पर संविदा अवधि में बढ़ौतरी/नवीकरण के लिए सम्बद्ध विभागाध्यक्ष, यह प्रमाण पत्र जारी करेगा कि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की सेवा तथा आचरण, उस वर्ष के दौरान संतोषजनक रहा है और केवल तभी उसकी संविदा की अवधि की बढ़ौतरी/नवीकरण किया जाएगा।

2. प्रथम पक्षकार की संविदात्मक रकम 6200/— रुपए प्रतिमास होगी।
3. प्रथम पक्षकार की सेवा पूर्णतया अस्थाई आधार पर होगी। यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण ठीक नहीं पाया जाता है या यदि नियमित पदधारी उस रिक्ति के विरुद्ध नियुक्त/तैनात कर दिया जाता है, जिसके लिए प्रथम पक्षकार को लगाया गया है, तो नियुक्ति पर्यवसित (समाप्त) की जाने के लिए दायी होगी।
4. संविदा पर नियुक्त स्वीपर एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा। यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा। संविदा पर नियुक्त स्वीपर को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा। वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0टी0सी0 इत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा/होगी। केवल प्रसूति अवकाश, नियमानुसार दिया जाएगा।

5. नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्त्तव्यों से अनधिकृत अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा का पर्यावसान (समापन) हो जाएगा। संविदा पर नियुक्त स्वीपर कर्तव्य (डियूटी) से अनुपस्थिति की अवधि के लिए संविदात्मक रकम का हकदार नहीं होगा।
6. संविदा आधार पर नियुक्त कर्मचारी जिसने तैनाती के एक स्थान पर पांच वर्ष का कार्यकाल पूर्ण कर लिया है आवश्यकता के आधार पर स्थानांतरण हेतु पात्र होगा, जहां भी प्रशासनिक आधार पर ऐसा करना अपेक्षित हो।
7. चयनित अभ्यर्थी को सरकारी/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। महिला अभ्यर्थियों की दशा में बारह सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था प्रसव होने तक, उसे अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त बना देगी। महिला अभ्यर्थियों का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाना चाहिए।
8. संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का यदि अपने पदीय कर्त्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी नियमित प्रतिस्थानी कर्मचारी को वेतनमान के न्यूनतम पर लागू है, यात्रा भत्ते/ दैनिक भत्ते का हकदार होगा।
9. संविदा पर नियुक्त व्यक्ति(यों) को कर्मचारी सामूहिक बीमा योजना के साथ-साथ ई0पी0एफ0/जी0पी0एफ0 भी लागू नहीं होगा।

इसके साक्ष्यस्वरूप प्रथम पक्षकार और द्वितीय पक्षकार ने साक्षियों की उपस्थिति में इसमें सर्वप्रथम उल्लिखित तारीख को अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

साक्षियों की उपस्थिति में :

1. ....  
.....  
.....  
(नाम व पूरा पता)
2. ....  
.....  
.....  
(नाम व पूरा पता)

(प्रथम पक्षकार के हस्ताक्षर)

साक्षियों की उपस्थिति में :

1. ....  
.....  
.....  
(नाम व पूरा पता)
2. ....  
.....  
.....  
(नाम व पूरा पता)

(द्वितीय पक्षकार के हस्ताक्षर)



**DEPARTMENT OF PRINTING AND STATIONERY****NOTIFICATION***Shimla-2, the 27th November, 2010*

**No. Mudran (B) 2-3/2004.**—The Governor, Himachal Pradesh, on the recommendations of the Departmental Promotion Committee meeting held on 11-11-2010 and with the approval of the H.P. Public Service Commission is pleased to order the promotion of Smt. Neena Masand, Superintendent Grade-II (Class-II Non-Gazetted) against the post of Assistant Controller (Stationery) (Class-I Gazetted) in the pay Scale of **Rupees** 10300-34800 + **Rs.** 5000 Grade Pay in the Department of Printing and Stationery with immediate effect in public Interest.

The above orders are subject to final decision of the Hon'ble Supreme Court of India in writ petition Civil No. 61/2002 titled M. Nagraj and others Vs. Union of India and writ petition No. 295/2002 titled Devi Ram Tanwar & Others Vs. Union of India and O.A. No. 19/2008 before the Hon'ble H.P. A.T.

By order,  
Sd/-  
Secretary (P&S).

**राज्य निर्वाचन आयोग हिमाचल प्रदेश****STATE ELECTION COMMISSION HIMACHAL PRADESH**

आर्म्सडेल, शिमला- 171002, Armsdale, Shimla-171002 Tel. 0177-2620152, 2620159, 2620154 Fax. 2620152

**NOTIFICATION***Shimla-2, 29th November, 2010*

**No. SEC.16-49/2009--3606-45.**—In exercise of the powers vested in it under section 160 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994 and Rule 32 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj (Election) Rules, 1994, the State Election Commission Himachal Pradesh hereby notifies the election programme for the conduct of general election to Panchayati Raj Institutions of Himachal Pradesh as under:

1.	Nomination papers shall be presented:	<b>On 10th, 13th and 14th December , 2010</b> (Between 11 A.M. to 3 P.M.) Nomination papers for the offices of Gram Panchayat, Panchayat Samiti & Zila Parishad shall be filed at the places and before the Officers appointed by the District Election Officers (Panchayat).
2.	The nomination papers shall be scrutinised:	<b>On 15th December, 2010</b> (From 10 A.M. onwards)
3.	A candidate may withdraw his candidature:	<b>On 18th December, 2010</b> (Before 3 P.M.)
4.	List of contesting candidates showing the name of symbol allotted to them shall be prepared and affixed:	<b>On 18th December, 2010</b> immediately after the time of withdrawal is over.
5.	List of Polling stations shall be published:	On or before <b>10th December, 2010.</b>

6.	The Poll, if necessary, shall be held From 7.00 A.M. to 3.00 P.M.:	<b>Date</b> <b>28-12-2010</b> <b>30-12-2010</b> <b>01-01-2011</b>	<b>Phase</b> <b>First</b> <b>Second</b> <b>Third</b>
7.	Counting of votes, in the event of Poll, shall be done :	Counting of votes for Member, Up-Pradhan and Pradhan of Gram Panchayats shall be taken up on the date of Poll immediately after the close of the poll at the Gram Panchayat Headquarters.  Counting of votes for member of Panchayat Samiti and Zila Parishad shall be taken up on <b>4th January, 2011</b> at 8.30 A.M. at respective Block H.Q. The counting once started shall continue until it is completed.	
8.	Result of election shall be declared:	The result of the election of Member, Up-Pradhan & Pradhan of Gram Panchayat shall be declared on the date of the poll immediately after the counting is over.  The result of election of Panchayat Samiti shall be declared on the day of counting at the Block Headquarters immediately after the counting process is over. The result of election to Zila Parishad shall be declared in accordance with the provisions contained in rule 75(VI) of the Himachal Pradesh Panchayati Raj (Election) Rules, 1994.	

**Note.—The process of election shall be completed by 06-01-2011.**

**However, this Election Programme shall not apply to the Panchayats/Panchayat Samitis/Zila Parishad shown in the following table. The Election Programme for these Panchayati Raj institutions shall be issued separately.**

<b>Sr. No.</b>	<b>Name of Distt.</b>	<b>Dev. Block/Panchayat Samiti</b>	<b>Name of GP/PS/ZP where election shall not be held.</b>
1.	Lahaul & Spiti	Keylong & Udaipur Sub-Division	All the Gram Panchayat/Panchayat Samitis/Zila Parishad.
2.	-do-	Dev. Block Kaza	Zila Parishad only
3.	Chamba	Pangi Sub-Division	All the Gram Panchayat/Panchayat Samitis/Zila Parishad.
4.	Kullu	Dev. Block Anni	Gram Panchayat Jaban & Namhog
5.	Kullu	Dev. Block Naggar	Gram Panchayat of Karjan & Soyal

By order,  
(DEV SWARUP)  
State Election Commissioner.

**राज्य निर्वाचन आयोग हिमाचल प्रदेश**  
**STATE ELECTION COMMISSION HIMACHAL PRADESH**  
आर्म्सडेल्, शिमला-171002, Armsdale, Shimla-171002 Tel. 0177-2620152, 2620159, 2620154, Fax. 2620152

**NOTIFICATION**

*Shimla, the 29<sup>th</sup> November, 2010*

**No. SEC.16-29/2000-I-3649-3941.**—Whereas the programme for the conduct of General election to Panchayati Raj Institutions have been notified by the State Election Commission *vide* Notification No. SEC-16-49/2009- 3606-45 dated 29-11-2010.

Whereas it is considered appropriate, desirable and necessary in the interest of free, fair smooth and peaceful conduct of elections to the Panchayati Raj Institutions and Urban Local Bodies in the State, to enforce Model Code of Conduct.

Therefore, the State Election Commission, in exercise of the power vested in it under Article 243-K and Article 243-ZA of the Constitution of India, Section 160 of the H.P.Panchayati Raj Act, 1994, hereby directs that Model Code of Conduct shall come into force in the State of Himachal Pradesh (barring the Sub-Division of Keylong and Udaipur of Distt. Lahaul Spiti, Pangi Sub-Division of Distt. Chamba and territorial area of Municipal Corporation Shimla) *w.e.f.* today on **29/11/2010 (AN) till the election process is completed.**

By order  
Sd/-  
*State Election Commissioner.*

